IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
Impact Factor: 7.301
Volume 3, Issue 2, December 2023

भारत में बैंकों के विविध आयाम एवं भारतीय बैंकों की विदेशों में स्थिति

डॉ. संहिता मिश्रा
अतिथि विद्वान अर्थशास्त्र विभाग
संजय गॉधी स्मृति शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सीधी, म. प्र.

प्रस्तावना–

भारत में बैंको का इतिहास तो पुराना है परन्तु एक व्यवस्थित बैंकिंग प्रणाली का विस्तार रिजर्व बैंक आफ इण्डिया अधिनियम, 1934 के तहत 1 अप्रैल 1935 को 5 करोंड़ की अधिकृत पूँजी से हुआ था। यह 5 करोड़ की पूँजी 100 रू0 मूल्य के 5 लाख अंशों में विभाजित थी शुरूआत में लगभग समस्त अंश पूँजी का स्वामित्व गैर सरकारी अंशधारियों के पास था, किन्तु अंशों को कुछ व्यक्तियों के हाथों में केन्द्रित होने से रोकने के लिए सरकार ने 1 जनवरी 1949 को RBI का राष्ट्रीयकरण कर दिया। RBI के कुछ विशेष कार्य– **नोटो का निर्गमन, सरकार के बैंक के रूप में कार्य, बैंको का बैंक, साख नियंत्रण** आदि अन्य कार्य किये जाते है। 1935 से ही RBI के गवर्नर नियुक्त किये जाने लगे जिनके स्थापना के समय पहले गवर्नर सर ओसबोर्न स्मिथ (Sir Osborne Smith) हुए थे वर्तमान RBI के गवर्नर शक्तिकांत दास हैं, जो 25वें गर्वनर है। 2021–22 के लिए केन्द्र सरकार को RBI द्वारा 30307 रू0 करोड़ का लाभांश हस्तांतरण का निर्णय लिया गया। 31 अक्टूबर 2021 की स्थिति के अनुसार 52 देशों में सार्वजनिक क्षेत्र के 9 तथा निजी क्षेत्र के 5 भारतीय बैंक काम कर रहें हैं। इनके 124 शाखा कार्यालय और 36 प्रतिनिधि कार्यालय 7 संयुक्त उपक्रम तथा 24 अनुषंगी बैंक हैं।

मुख्य शब्द–

1. भारत में बैकों का प्रबंध।
2. भारतीय मुद्रा बाजार।
3. वर्तमान में भारत की प्रमुख बैंकिंग दरें।
4. भारतीय बैंको की अन्तर्राष्ट्रीय स्थिति।

संदर्भ सूची –

[1]. मौद्रिक अर्थशास्त्र –डॉ0 वी.सी.सिन्हा ।
[2]. प्रतियोगिता दर्पण अतिरिक्तांक –भारतीय अर्थव्यवस्था 2023।
[3]. घटना चक्र आर्थिकी 2023–24।
[4]. भारतीय अर्थव्यवस्था– परीक्षावाणी।
[5]. भारतीय अर्थव्यवस्था – S.N.Lal and Lal.
[6]. इन्टरनेट।